प्रश्न पत्र – MJY-E 302 अर्जिताधिमार 06-05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–2)

मुहूर्त्तविज्ञान 70+30=100 पूर्णांक

MUHURTVIGYANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40

अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 नक्षत्र एवं मेलापक
खण्ड – 2 ग्रहमेलापक
खण्ड – 3 मुहूर्त्तविज्ञान एवं संस्कार
खण्ड – 4 मेलापकसमीक्षा
खण्ड – 5 ज्योतिषशास्त्र का समीक्षात्मक अध्ययन–सत्यार्थ प्रकाश, 11 समुल्लास के सन्दर्भ में

सन्दर्भग्रन्थ :

1. सिद्धान्तशिरोमणि–गणिताध्याय–भास्कराचार्य–व्याख्या गिरिजाप्रसाद
2. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य–टीकाकार मुरलीधर ठक्कर, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. सचित्र ज्योतिषशिक्षा – गणित खण्ड प्रथम बी0ए0 ठाकुर
4. सिद्धान्तशिरोमणि–डॉ0 सत्यदेव शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी